सांध्य दैनिक
4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 242 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 9 अक्टूबर, 2025

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

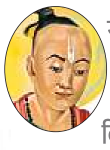

मनुष्य को दया कभी नहीं छोड़नी चाहिए क्योंकि दया ही धर्म का मूल है और इसके विपरीत अहंकार समस्त पापों की जड़ होता है।

–गोस्वामी तुलसीदासजी

दूसरे टेस्ट में बिना बदलाव के उतरेगा... 7 | बिहार में चुनावी रणभेरी के बीच... 3 | अखिलेश और आजम की मुलाकात... 2

हर तरफ आह ही आह...

पीडीए होना बन गया बड़ा गुनाह!

- » जाति के वायरस ने न्यायपालिका से पुलिस तक को किया लहूलुहान
- » डीजीपी और एसपी पर जातिगत प्रताड़ना के आरोप
- » आईएएस पत्नी ने दर्ज कराई एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जज गवई पर जूता फेंकने की गूंज अभी कम भी नहीं हुई थी कि एक आईपीएस अधिकारी के सुसाइड ने पूरे भारत के सिस्टम को हिला दिया है। जब एक आईपीएस अफसर अपनी ही सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ले तो उस समाज में एक आम दलित क्या महसूस करता होगा? जिस देश में भीमराव अंबेडकर ने संविधान लिखा वहीं आज एक अधिकारी जाति के जहर से तिल-तिल कर मर गया।

इसका जिम्मेदार कौन है? वो अपनी जान नहीं ले रहा था वो इस व्यवस्था से आखिरी सवाल पूछ रहा था कि क्या दलित होकर जीने का कोई सम्मान नहीं बचा इस देश में? बात हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार की जिनकी आत्महत्या के मामले में एक नया मोड़ आया है। पूरन कुमार की पत्नी और आईएएस अधिकारी अमनीत पी. कुमार ने चंडीगढ़ के सेक्टर-11 पुलिस स्टेशन के एसएचओ को पत्र लिखकर हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजरानिया के खिलाफ प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं। अमनीत ने दावा किया कि इन अधिकारियों की जातिगत प्रताड़ना के कारण ही उनके पति ने 7 अक्टूबर को चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर खुद को गोली मार ली।

पीडीए अफसरों का अकेलापन

कई रिटायर्ड पीडीए अफसरों से इस घटना पर जब 4पीएम ने बात की तो सभी का लगभग कहना एक जैसा था उन्होंने कहा कि हमारे पास शिकायत करने का कोई ठोस मंच नहीं है। जहां शिकायत करते हैं वहां से कुछ होने से रहा। हर बार कहा जाता है सब ठीक है लेकिन कुछ भी ठीक नहीं होता। इसीलिए जब कोई पीडीए अफसर अपनी जान दे देता है तो पूरा तंत्र इसे पर्सनल इश्यू कहकर खारिज कर देता है। वह कहते हैं कि यह पर्सनल नहीं यह पॉलिटिकल और सोशल डिजास्टर है।

2016

में भी एक दलित पुलिसकर्मी की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी गई थी कि वह थाने का इंचार्ज बन गया था।

हरियाणा एक बार फिर कटघरे में

देश के हरियाणा राज्य में यह कोई पहली बार नहीं हुआ है जब वहां से जातिगत अत्याचार की खबर आयी हो। यह वही राज्य है जहां दलित युवाओं की पिटायी उनके बाल काटना मंदिरों में घुसने से रोकना अब सामान्य खबर बन चुकी है। 2016 में भी एक दलित पुलिसकर्मी की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी गई थी कि वह थाने का इंचार्ज बन गया था। हरियाणा की पुलिस, प्रशासन और राजनीति तीनों में जाति का वायरस इस कदर फैला है कि एक ईमानदार अधिकारी भी अगर अपने वंश की वजह से नफरत झेले तो यह सिर्फ एक राज्य की नहीं पूरे भारत की नैतिक हार है।

आईपीएस पूरन के सुसाइड से कोहराम

सुसाइड नोट में लिखा है जातिगत प्रताड़ना है कारण

पूरन की पत्नी अमनीत 2001 बैच की आईएएस अधिकारी हैं और वर्तमान में हरियाणा के सिविल एविएशन व महिला एवं बाल विकास विभाग में कमिश्नर हैं। घटना के समय वह जापान में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रतिनिधिमंडल के साथ थीं। अमनीत ने पत्र लिखकर घटना की जानकारी देते हुए कहा है कि मैने एक पत्नी के रूप में पिछले कई सालों से अपने पति को हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर समेत सीनियर अधिकारियों द्वारा प्रताड़ित होते देखा है। यह कोई छिपी बात नहीं है। मेरे पति ने पहले भी जाति के आधार पर प्रताड़ना की कई शिकायतें की हैं जिनका जिक्र उन्होंने सुसाइड नोट में भी किया है। उन्होंने

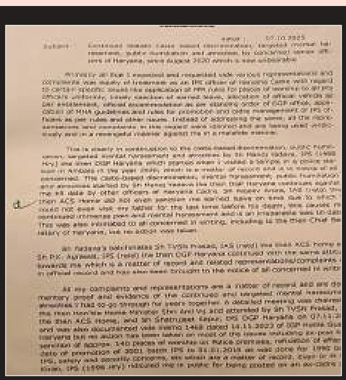

खुलासा करते हुए लिखा है कि उनके पति पूरन ने उन्हें बताया था कि डीजीपी कपूर उन्हें साजिश के तहत झूठे केस में फंसाने की कोशिश कर रहे थे। इसी सिलसिले में रोहतक के अर्बन एस्टेट थाने में धारा 308 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत एफआईआर दर्ज हुई थी जिसमें कुमार के स्टाफ मेंबर सुशील को फंसाया गया। पत्नी अमनीत ने लिखा है कि सबूतों से छेड़छाड़ कर मेरे पति पर भी आरोप लगाए गए। इन दोनों अधिकारियों की प्रताड़ना की वजह से पति की मौत हुई है। उन्होंने सीएफएल द्वारा बरामद सुसाइड नोट के अलावा अलमारी में लैपटॉप बैग से मिली एक अन्य कॉपी का जिक्र किया जिसे वे पुलिस को सौंप रही हैं।

ठोस मेकैनिज्म नहीं है

भारत में एससी/एसटी जैसे एक्ट तो हैं लेकिन सरकारी दफ्तरों में सिस्टमेटिक ह्यूमिलिएशन के खिलाफ अब तक कोई ठोस मेकैनिज़्म नहीं है। जातिगत अपमान अक्सर जोक्स टिप्पणियों या प्रमोशन रोके जाने के रूप में छिपा रहता है। पूरन कुमार के साथ भी क्या कुछ ऐसा ही हुआ या फिर उनके खिलाफ बड़ी साजिश की गयी। जैसा की उनकी पत्नी बता रही है कि राज्य के एक डीजीपी स्तर के अधिकारी उनको फंसाना चाहते थे। उन्होंने हर उस प्लेटफार्म हर उस जगह पर दस्तक दी जहां से राहत मिल सकती थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ और हताश और निराश होकर उन्होंने अपनी जान दे दी। नाम न छपने की शर्त पर एक अधिकारी ने बताया कि वह सबके बीच चुप रहते थे, लेकिन चेहरे पर दर्द साफ झलकता था। उनकी वर्दी पर लगी सितारें उनके आत्मसम्मान को नहीं बचा सकीं।

अखिलेश और आजम की मुलाकात के बाद यूपी में गरमाई सियासत

अफवाह फैलाने वालों को मिला जवाब : अंशु अवस्थी

कांग्रेस की सधी प्रतिक्रिया भाजपा ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पार्टी नेता आजम खान से रामपुर स्थित उनके आवास पर मुलाकात की है। इस मुलाकात पर यूपी कांग्रेस प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने कहा कि इस मुलाकात के बाद उन लोगों को जवाब मिल गया है, जो अफवाह फैलाने का काम कर रहे थे।

दरअसल, सपा नेता व पूर्व मंत्री आजम खान को उनके खिलाफ सभी मामलों में जमानत मिलने के बाद 23 सितंबर को सीतापुर जेल से रिहा कर दिया गया था। उनके जेल से बाहर आने के बाद से बसपा में जाने की चर्चाएं चल रही थी। इसी बीच बुधवार को अखिलेश यादव ने रामपुर जाकर आजम खान से मुलाकात की है। इस मुलाकात पर यूपी कांग्रेस प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने कहा कि आजम खान समाजवादी पार्टी के एक वरिष्ठ नेता हैं और 10 बार के विधायक हैं, इसके बावजूद उनके ऊपर बीजेपी सरकार में अत्याचार हुए हैं।

आजम-शिवपाल खेल न करें इसी डर से गए अखिलेश: राजभर

पंचायती राज मंत्री और सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि दरअसल अखिलेश को यह डर सता रहा था कि चाचा शिवपाल और आजम खां मिलकर कहीं उनके खिलाफ कोई खेल न कर दें। सपा अध्यक्ष को यह भी डर है कि दोनों मिलकर सपा को तोड़ न दें। आजम खां से मिलने के लिए अखिलेश के रामपुर पहुंचने पर तंज कसते हुए राजभर ने कहा कि 23 महीने तक जेल में मिलने से परहेज करने वाले अखिलेश का आजम के दरवाजे जाना राजनीतिक मजबूरी है। उन्होंने कहा इससे यह भी साफ हो गया है कि आजम की हनक अभी बरकार है। अखिलेश का उनके दरवाजे तक जाना इसका सबूत है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आजम की शर्त थी कि अखिलेश उनकी देहरी पर आएं। वहीं, सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने अखिलेश पर निशाना साधते हुए कहा कि 23 महीने तक जेल में रहे आज़म की सुध नहीं लिया और अब घड़ियालू आंसू% बहाने रामपुर पहुंचे हैं। यह उनकी मुस्लिम वोटबैंक को साधने की सियासी मजबूरी है।

आजम की चिंता होती तो जमानत के तुरंत बाद मिलने जाते : दयाशंकर

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कहा कि अगर अखिलेश को आज़म की चिंता होती, तो जमानत के तुरंत बाद मिलने जाते। अब वोटबैंक खिसकने का डर उन्हें रामपुर खींच ले गया। वहीं, राज्यमंत्री दानिश आज़ाद अंसारी ने कहा कि अखिलेश का रामपुर जाना महज मुसलमानों को गुमराह करने की सियासी चाल है। दानिश ने दावा किया कि अखिलेश और आज़म के बीच सब कुछ ठीक नहीं है। आज़म खान जेल में वर्षों रहे, लेकिन अखिलेश कभी उनसे मिलने नहीं गए। अब आगे बिहार और फिर यूपी के विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए अखिलेश मुसलमानों को गुमराह करने के लिए यह ढोंग कर रहे हैं।

आजम का दुख दर्द साझा करने के लिए सपा प्रमुख रामपुर गए

अंशु अवस्थी ने कहा कि आजम खान पर डकैती के मुकदमे लिखाए गए हैं, इससे ज्यादा कुछ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं हो सकता है। ऐसे में उनका दुख दर्द साझा करने के लिए अखिलेश यादव रामपुर गए थे। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि यह उन लोगों के लिए जवाब है जो भ्रामकता फैला रहे थे कि आजम खान दूसरी पार्टी में जा रहे हैं और आजम खान अखिलेश यादव से नाराज हैं। अंशु अवस्थी ने कहा कि आजम खान और अखिलेश यादव की मुलाकात के बाद तमाम सवालों का जवाब लोगों को मिल गया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी यह जान ले कि इतने अत्याचार के बाद भी इंडिया गठबंधन और इंडिया गठबंधन के नेताओं को झुका नहीं पाई है।

2027 विधानसभा चुनाव में भाजपा के मिलेगा जवाब

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि 2027 विधानसभा चुनाव में प्रदेश का किसान, नौजवान, दलित, पिछड़ा, मुस्लिम और युवा आजम खान पर हुए अत्याचार का जवाब देगा। यही लोग बीजेपी को सत्ता से बाहर करेंगे और इंडिया गठबंधन की सरकार बनाएंगे। वहीं आजम खान से मुलाकात करने के बाद सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि मैं उनसे (आजम खान) मिलने आया हूं। आजम खान साहब बहुत पुराने नेता हैं। उनका गहरा साया हमेशा हमारे साथ रहा है। यह बड़ी लड़ाई है और उसमें हम सब मिलकर लड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा कि 2027 में हमारी सरकार बनने जा रही है और PDA की आवाज बुलंद होगी।

भारत गाजा में 'नरसंहार' रोकने के लिए इजराइल पर दबाव डाले : स्टालिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि भारत को गाजा में 'नरसंहार' रोकने के लिए इजराइल पर दबाव डालना चाहिए। स्टालिन ने कहा, ''भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को इजराइल और उसका साथ दे रहे देशों पर दबाव बनाने का प्रयास करना चाहिए ताकि नरसंहार को रोका जा सके। वह गाजा में 'नरसंहार' की निंदा करने के लिए यहां मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) द्वारा आयोजित एक सर्वदलीय विरोध सभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा,''इजराइल द्वारा गाजा पर किए जा रहे अंधाधुंध हमले हम सभी के दिलों को झकझोर रहे हैं।''उन्होंने कहा कि माकपा का विरोध प्रदर्शन मानवीय मूल्य वाले लोगों को एकजुट करने का एक प्रयास है, ताकि सत्तारूढ़ ताकतों से उन हमलों को रोकने का आग्रह किया जा सके जो अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों और

संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों का स्पष्ट उल्लंघन करते हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने हाल के सप्ताहों में गाजा में हुई हत्याओं के खिलाफ सार्वजनिक रूप से अपना रुख व्यक्त किया है। उन्होंने आठ सितंबर को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि ''गाजा में जो कुछ हो रहा है, उससे वह इतने विचलित हैं कि वह शब्दों में बयां नहीं कर सकते।'' उन्होंने कहा था कि ''जब निर्दोष लोगों की जान इस तरह कुचली जा रही हो, तो चुप रहना कोई विकल्प नहीं है।'' माकपा ने भारत सरकार से इजराइल के साथ सभी व्यापार समझौते रद्द करने की भी अपील की थी।

पंजाब में नहीं कटेगी बिजली : केजरीवाल

आप की गारंटी, अगले साल से 24 घंटे आपूर्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में बिजली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सुधार कार्य चल रहा है और वादा किया कि अगली गर्मियों से बिजली कटौती नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि पंजाब के इतिहास में ऐसी बाढ़ कभी नहीं आई...ऐसे समय में, हमारे सांसद अशोक मित्तल ने घोषणा की कि जिन परिवारों में मृत्यु हुई है, उनके एक बच्चे को उनके विश्वविद्यालय में नौकरी दी जाएगी...लगभग 60 लोग मारे गए, उन्होंने सभी को नौकरी का प्रस्ताव दिया, और 35 ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया...मैं अशोक मित्तल

को इस सोच के लिए बधाई देता हूं। इसके साथ ही केजरीवाल ने कहा कि मैं पंजाब के लोगों को उस अवसर पर बधाई देना चाहता हूं जिसके लिए हम यहां एकत्र हुए हैं...किसी भी पार्टी, किसी भी मुख्यमंत्री और किसी भी केंद्र सरकार ने यह सपना नहीं देखा कि 24 घंटे बिजली उपलब्ध हो। पिछले 75 वर्षों से ट्रांसमिशन और वितरण नेटवर्क पर कोई काम नहीं हुआ। इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन बड़े स्तर पर किया जा रहा है मुझे उम्मीद है कि अगली गर्मियों में पंजाब में बिजली कटौती नहीं होगी। उन्होंने कहा कि पंजाब में किसानों को सिंचाई के लिए कम से कम 8 घंटे बिजली मिल रही है, जिसे जल्द ही बढ़ाकर पूरे दिन कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, अब हम अगले चरण की ओर बढ़ चुके हैं, जिसके तहत 24 घंटे बिजली की आपूर्ति होनी चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि बुनियादी ढाँचे के उन्नयन में 25,000 किलोमीटर नए बिजली के तार, 8,000 नए बिजली ट्रांसफार्मर और 77 नए बिजली सब-स्टेशन बिछाना शामिल है। केजरीवाल ने कहा कि बुनियादी ढाँचे के उन्नयन में 25,000 किलोमीटर नए बिजली के तार, 8,000 नए बिजली ट्रांसफार्मर और 77 नए बिजली सब-स्टेशन बिछाए जाएँगे। उन्होंने दावा किया, बुनियादी ढाँचे का उन्नयन बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। पूरी व्यवस्था आधुनिक होगी।

गोवा में कांग्रेस के साथ गठबंधन से आम आदमी पार्टी का इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पणजी। गोवा में आम आदमी पार्टी (आप) ने स्पष्ट किया है कि वह कांग्रेस के साथ किसी भी प्रकार के गठबंधन में नहीं जाएगी। पार्टी ने कहा कि यह निर्णय दल में चर्चाओं के बाद लिया गया क्योंकि कोई भी यह गारंटी नहीं दे सकता कि कांग्रेस के विधायक भविष्य में फिर से सत्ता में मौजूद भाजपा में शामिल नहीं हो जाएंगे।

यह बयान ऐसे समय आया है जब गोवा आप के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश कलंगुटकर ने अपने पद और पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने इस्तीफे का कारण बताया कि केंद्रीय नेतृत्व ने 2027 के विधानसभा चुनावों में अन्य विपक्षी दलों के साथ गठबंधन न करने का निर्णय लिया है। कलंगुटकर का मानना है कि इससे विपक्षी वोट बंट जाएंगे और भाजपा को फायदा होगा।

विपक्ष की बातें गुमराह करने वाली : विजयन

केरल के मुख्यमंत्री ने सबरीमला स्वर्ण विवाद पर घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने बुधवार को आरोप लगाया कि यूनाइटेड डेमोक्रेटिक-फ्रंट (यूडीएफ) के नेतृत्व वाला विपक्ष लोगों को सबरीमला स्वर्ण-प्लेट विवाद में गुमराह कर रहा है और कहा कि सरकार ऐसे किसी प्रयास से नहीं डरती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला मोर्चा तथ्यों से डरा हुआ है और इसीलिए वे लगातार विधानसभा की कार्यवाही में बाधा डाल रहे हैं और सदन में इस मामले पर चर्चा के लिए नोटिस देने से कतरा रहे हैं। प्रश्नकाल के दौरान यूडीएफ विधायकों और 'वॉच एंड वार्ड' कर्मियों (सुरक्षाकर्मी) के बीच सदन में अध्यक्ष के आसन के पास हुई हाथापाई के कारण कुछ समय के विराम के बाद सत्र के फिर से शुरू होने पर मुख्यमंत्री ने विधानसभा में यह टिप्पणी की। प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी विधायकों और सत्तारूढ़ दल के सदस्यों के बीच तीखी बहस हुई।

यूडीएफ सदस्य सोमवार से सदन की कार्यवाही बाधित कर रहे हैं और सबरीमला मंदिर में 'द्वारपालक' मूर्तियों पर सोने की परत चढ़े आवरण का वजन कम होने से जुड़ी कथित अनियमितताओं को लेकर देवस्वोम मंत्री वी. एन. वासवन के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। विजयन ने कहा कि वाम सरकार ने कभी गलत काम करने वाले किसी व्यक्ति को संरक्षण नहीं दिया है और गलत काम करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की उसकी परंपरा रही है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

बंगाल में राजनीतिक हिंसा तेज

टीएमसी बनाम बीजेपी खेला नहीं, जंग शुरू

- टीएमसी के त्रिपुरा आफिस को बीजेपी कार्यकर्ताओं ने किया आग के हवाले अगरतला में तनाव
- बीजेपी मांगे पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन
- हार की बौखलाहट में लोकतंत्र को जलाना चाहती है बीजेपी : तृणमूल
- हिंसा को हथियार बना कर राष्ट्रपति शासन की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। जहां कभी टैगोर की कलम चलती थी अब वहां लाठियां चल रही है। जी हां पश्चिम बंगाल में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने जो आग टीएमसी दफ्तर में लगाई उसकी लपटें अब केवल त्रिपुरा तक सीमित नहीं हैं बल्कि उन्होंने पश्चिम बंगाल की राजनीति को एक बार फिर से बारूद की ढेरी पर ला खड़ा किया है। लगता तो यही है कि टीएमसी और बीजेपी दोनों राजनीतिक दल अब सत्ता के लिए नहीं एक दूसरे की राजनीतिक अस्थियां बिखेरने में जुटे हैं।

खेला होबे अब नारा नहीं रहा बल्कि जंग का घोष बन गया है। बीजेपी खुलकर कह रही है कि पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू होना चाहिए क्योंकि ममता बनर्जी ने राज्य को हिंसा की प्रयोगशाला बना दिया है। वहीं टीएमसी पलटवार कर रही है कि बीजेपी हार की बौखलाहट में लोकतंत्र को जलाना चाहती है। टीएमसी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डेरेक ओ'ब्रायन ने केंद्र सरकार पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा है कि बीजेपी हिंसा को हथियार बनाकर बंगाल में राष्ट्रपति शासन का माहौल तैयार कर रही है। अगरतला का दफ्तर जलने के बाद टीएमसी कार्यकर्ता राज्यभर में विरोध मार्च निकाल रहे हैं तो बीजेपी इसे टीएमसी की गुंडागर्दी के खिलाफ जनता का प्रतिशोध बता रही है। तृणमूल कांग्रेस ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर पार्टी ने कहा है कि भाजपा समर्थित गुंडों द्वारा एआईटीसी त्रिपुरा के कार्यालय पर किया गया हिंसक हमला कोई अकेली आक्रामकता नहीं है यह लोकतंत्र पर खुला हमला है। जब सत्ता में बैठे लोग अपने विरोधियों को चुप कराने के लिए हिंसा करते हैं तो वे अपनी ताकत नहीं बल्कि डर और नैतिक दिवालियापन दिखाते हैं।

धमकी, हिंसा व प्रतिशोध हमें चुप नहीं करा पाएंगे : अभिषेक बनर्जी

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा है कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को चुनाव में हराने में नाकाम रही भाजपा ने अपनी पूरी मशीनरी उन राज्यों में हिंसा भड़काने में झोंक दी है जहां भी उनकी सरकार है। वहीं ऐसी घटनाएं हो रही हैं। उनके कार्यकर्ताओं ने त्रिपुरा पुलिस की निगरानी में हमारे पार्टी कार्यालय पर हमला किया और तोड़फोड़ की जिससे उनकी बदले की और कानूनविहीन मानसिकता उजागर हुई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। त्रिपुरा में ही हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं को बार-बार हमलों का सामना करना पड़ा है। 2021 में, त्रिपुरा में मेरे काफिले पर भाजपा के गुंडों ने तोड़फोड़ की थी। उन्होंने आगे कहा कि इस गंभीर हमले के बाद हमारे राज्य का एक पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार को त्रिपुरा का दौरा करेगा ताकि स्थिति का आकलन किया जा सके, हमारे सहयोगियों और सहकर्मियों के साथ पूरी एकजुटता दिखाई जा सके और राज्य प्रशासन के समक्ष आधिकारिक तौर पर इस मामले को उठाया जा सके। उन्होंने कहा कि धमकी, हिंसा और प्रतिशोध हमें कभी चुप नहीं करा पाएंगे। लोकतंत्र, कानून और जनता का जनादेश हमेशा भाजपा की क्रूर राजनीति पर हावी रहेंगे।

बीजेपी ने भी निकाला विरोध मार्च

एक ओर तृणमूल कार्यकर्ता विरोध प्रर्दशन कर रहे तो तो दूसरी ओर बीजेपी के लोग भी पश्चिम बंगाल की सड़कों पर सांसद पर हुए कथित हमले के विरोध में नारे लगा रहे हैं। बीजेपी सांसद खगेन मुर्मू और सिलीगुड़ी के विधायक शंकर घोष पर पश्चिम बंगाल में बाढ़ प्रभावितों को राहत सामग्री वितरित करते समय वहां के लोगों ने इन पर ईंट पत्थरों से हमला कर दिया था। सांसद/विधायक पर हुए हमले की भाजपा ने कड़ी निंदा की है। भाजपा ने घटना के विरोध में राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया भाजपा ने दक्षिण 24 परगना जिले के गंगासागर स्थित रुद्र नगर में एक विरोध रैली आयोजित की।

राष्ट्रपति शासन की मांग

फर्रुखाबाद से भाजपा सांसद मुकेश राजपूत ने कहा है कि जिस तरह से हमारे सांसद साथी पर हमला किया गया उसको देखते हुए पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगा दिया जाना चाहिए। वह प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से मांग करते हैं कि वहां राष्ट्रपति शासन लगाया जाए और जब समय अनुकूल हो तब वहां चुनाव कराए जाएं। उन्होंने कहा कि बाढ़ से जूझ रहे लोगों को बचाने का कार्य राज्य सरकार का है। किसी भी तरीके का सहयोग राज्य सरकार मांगती है तो भारत सरकार सहयोग के लिए तैयार है।

बिहार में चुनावी रणभेरी के बीच बटवारे में देरी

महागठबंधन व एनडीए गठबंधन में सीट को लेकर रार

- सहयोगियों ने सकंट में डाला
- कांग्रेस बोली- सीट बंटवारा जल्द, एनडीए को देंगे कड़ी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

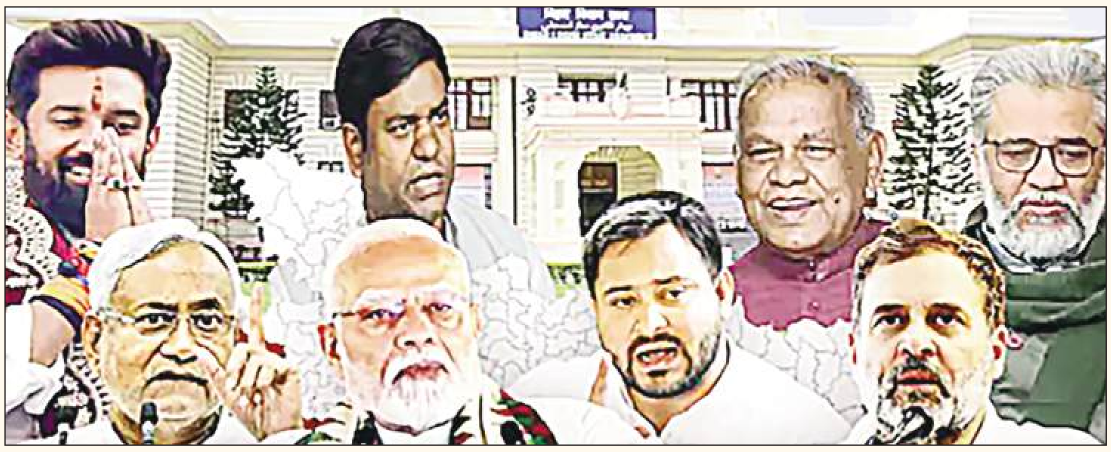

पटना। बिहार में विस चुनावों की तारीखें घोषित हे चुकी हैं। राज्य के दोनों गठबंधन मोर्चे की तैयारी में जुटने लगें हैं। पर एक बात दोनों ओर समान देखने को मिल रही है वो दोनों ओर सीटों के बटवारे को लेकर मामला अभी भी फंसा हुआ है। एनडीए गठबंधन के दो प्रमुख सहयोगी हम व लोजपा पासवान के नेता क्रमशः जीतन राम मांझी व चिराग पासवान ज्यादा सीटों की मांग कर रहे है। इस बाबत जब भाजपा के नेताओं से बात की जा रही है तो वह कह रहे है कि सब सुलझा जाएगा।

उधर महागठबंधन के सहयोगी माकपा व वीआईपी ज्यादा सीटों को लेकर दबाव बना रहे हैं। इस खेमें के लोग भी कह रहे हैं कि सब ठीक हो जाएगा। आने समय ही बताएगा की ऊंट किस करवट लेता है। वहीं कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए महागठबंधन के सीट बंटवारे की घोषणा एक-दो दिन में करने का ऐलान किया है। उन्होंने बेरोजगारी और गरीबी जैसे मुद्दों को उठाते हुए जनता में बदलाव की लहर का दावा किया, जिससे महागठबंधन की भारी जीत का विश्वास जताया। यह घोषणा बिहार चुनाव के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने बुधवार को आगामी बिहार चुनावों को लेकर अपनी आशा व्यक्त की और घोषणा की कि महागठबंधन में सीटों के बंटवारे का विवरण जल्द ही घोषित किया जाएगा। एएनआई से बात करते हुए, पायलट ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की संभावनाओं पर विश्वास व्यक्त किया और इस बात पर जोर दिया कि बेरोजगारी, गरीबी और पलायन जैसे मुद्दों से प्रेरित जनता में बदलाव की इच्छा स्पष्ट है।

दो चरणों में 6 नवंबर और 11 नवंबर को मतदान होगा

चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। 243 विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में 6 नवंबर और 11 नवंबर को मतदान होगा, और मतगणना 14 नवंबर को होगी। अंतिम सूची में कुल मतदाताओं की संख्या 7.42 करोड़ है, जबकि इस वर्ष 24 जून तक 7.89 करोड़ मतदाता थे। चुनाव आयोग की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि मसौदा सूची से 65 लाख मतदाताओं को हटा दिया गया है, और 1 अगस्त, 2025 तक मसौदा सूची में मतदाताओं की संख्या 7.24 करोड़ थी।

गठबंधन को जमीनी स्तर पर भरपूर समर्थन मिल रहा है : पायलट

पायलट ने कहा कि जनता ने मन बना लिया है और बिहार में बदलाव होगा...हमारे गठबंधन को जमीनी स्तर पर भरपूर समर्थन मिल रहा है... हमारा गठबंधन बड़े अंतर से चुनाव जीतेगा... हम एक-दो दिन में सीटों के बंटवारे की घोषणा करेंगे। यह गठबंधन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के खिलाफ चुनाव लड़ेगा, जिसमें भाजपा, जद(यू), लोजपा (रालोद), हम और अन्य दल शामिल हैं। बिहार में महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस, विकासशील इंसान पार्टी और भाकपा, भाकपा (माले) सहित अन्य वामपंथी दल शामिल हैं।

मांझी व चिराग का अपना-अपना राग

मांझी की कविता से पहले, सीट बंटवारे को लेकर चल रही खींचतान के बीच चिराग पासवान ने एक रहस्यमयी संदेश दिया। अपने पिता रामविलास पासवान की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए, चिराग ने कहा कि उनके पिता ने उन्हें हर कदम पर लड़ना सीखने को कहा था। लोजपा (रामविलास) प्रमुख ने एक्स पर हिंदी में लिखे एक पोस्ट में कहा, पापा हमेशा कहते थे, गुनाह मत करो, गुनाह मत सहो। जीना है तो मरना सीखो, हर कदम पर लड़ना सीखो। एनडीए के सहयोगी दल सीटों के बंटवारे पर सहमति बनाने के लिए जोरदार बैठकें कर रहे हैं। बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को चिराग पासवान के साथ इस मुद्दे पर बातचीत की। प्रधान के साथ भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े, जो बिहार में पार्टी के संगठन प्रभारी हैं, और राज्य सरकार में मंत्री मंगल पांडे भी मौजूद थे।

बिहार एनडीए में सीटों को लेकर धर्मसंकट

हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतन राम मांझी ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए एनडीए सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे की बातचीत से पहले एक रहस्यमयी पोस्ट शेयर की। मांझी ने रामधारी सिंह दिनकर की रश्मिरथी का एक अंश शेयर किया, जिसमें पांडवों को कौरवों से पाँच गाँव छीनते हुए दिखाया गया है, और बाकी राज्य अपने पास रख लिया है। जीतन राम मांझी ने लिखा कि हो न्याय अगर तो आधा दो, यदि उसमें भी कोई बाधा हो, तो दे दो केवल 15 ग्राम, रखो अपनी धरती तमाम, हम वही खुशी से खाएंगें, परिजन पे असी ना उठाएँगे। हालांकि, एक सूक्ष्म किंतु स्पष्ट मोड़ में मांझी ने संदर्भ को संशोधित करते हुए 15 ग्राम (15 गांव) की मांग की, जिससे संकेत मिलता है कि गठबंधन की सीट-बंटवारे की व्यवस्था में उनकी 15 सीटें चाहने की इच्छा है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कब शुरू होंगी भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाएं

> अब सवाल उठता है कि सरकारी हेल्थ विभ ाग में विश्वास किस तरह कायम रखा जा सकता है? केंद्रीय स्तर पर तकनीक आधारित स्वास्थ्य जांच और निगरानी तंत्र का गठन आवश्यक है। स्वास्थ्य अधिकारों पर विधेयक बनाकर डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

पिछले कुछ सालों में भारत के सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर से लोगों का विश्वास कम होता जा रहा है। उसका मूल कारण है वहां पर सुविधाओं का अभाव और आम लोगों की सुनवाई न होना। अब तो एक और मुश्किल हो गई है। बुनियादी सुविधाओं में लापरवाही। उसका ताजा मामला राजस्थान व मध्यप्रदेश में देखने को मिला जहां कप सिरप पीने से कई बच्चों की जान चली गई जबकि कई दिनों से हेल्थ विभाग को ये जानकारी दी गई थी कि इस सिरप कु छ कमी है जो बच्चों के लिए हानिकारक है पर अधिकारियों ने अनसुना कर दिया है। वहीं राजस्थान में ओटी में शार्ट सर्किट से लगी आग से कई लोग असमय ही काल के गाल में समा गए। अब सवाल उठता है कि सरकारी हेल्थ विभ ाग में विश्वास किस तरह कायम रखा जा सकता है? केंद्रीय स्तर पर तकनीक आधारित स्वास्थ्य जांच और निगरानी तंत्र का गठन आवश्यक है। स्वास्थ्य अधिकारों पर विधेयक बनाकर डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

अस्पतालों में साइबर सुरक्षा, इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्डिंग, और प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देकर मरीजों की गोपनीयता और सेवा की दक्षता को मज़बूत बनाया जा सकता है। पारदर्शिता से ही बढ़ेगा स्वास्थ्य तंत्र पर भरोसा सरकारी अस्पतालों में दवाओं और उपकरणों की उपलब्धता, चिकित्सकों की जवाबदेही और मरीजों के प्रति संवेदनशीलता जरूरी है। समय पर इलाज, स्वच्छ वातावरण और भ्रष्टाचार-मुक्त व्यवस्था से ही जनता का स्वास्थ्य सेवाओं पर विश्वास कायम रहेगा। भरोसेमंद प्रणाली से ही जनकल्याण के उद्देश्य पूरे हो सकते हैं। जनकल्याण योजनाओं की जानकारी हर व्यक्ति तक पहुंचे। सरकार की ओर से कई स्वास्थ्य योजनाएं चलाई जाती हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में लोग इनका लाभ नहीं उठा पाते। शिविरों के आयोजन और संचार तकनीक के माध्यम से सही जानकारी समय पर आमजन तक पहुंचाई जाए तो वे बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त कर सकेंगे। सूचना की सुलभता ही स्वास्थ्य सुधार की कुंजी है। भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाओं से ही बनता मजबूत समाज। स्वास्थ्य सेवाओं पर विश्वास बनाए रखने के लिए भ्रष्टाचार से मुक्ति और पारदर्शी प्रबंधन आवश्यक है। गुणवत्तापूर्ण देखभाल, सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार और डिजिटल सेवाओं के विस्तार से आमजन तक स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ बन सकती हैं। प्रशिक्षण और संसाधनों का बेहतर उपयोग ही स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत करेगा। भारत में स्वास्थ्य एक बहूत बड़ा समाज को जोड़ने का काम है। इसलिए इसका सुदृढ़ होना जरूरी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

साहूकारों के शिकंजे से मुक्त नहीं हुए किसान

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की ग्रामीण धारणा सर्वेक्षण रिपोर्ट 2025 के अनुसार, ग्रामीण भारत में ऋण प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला है। पहली बात, अब 54.5 प्रतिशत ग्रामीण परिवार केवल औपचारिक स्त्रोतों-क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सहकारी समितियां, सूक्ष्म वित्त संस्थान से ऋण ले रहे हैं, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। इससे ग्रामीण आर्थिक शोषण से बच रहे हैं क्योंकि इन ऋणों पर ब्याज दरें नियंत्रित होती हैं। दूसरी ओर, अभी भी 22 प्रतिशत परिवार अनौपचारिक स्त्रोतों-साहूकार, दोस्त, परिवार पर निर्भर हैं, जहां ब्याज दरें 17-18 प्रतिशत से अधिक हैं। इसके अतिरिक्त, 23.5 प्रतिशत ग्रामीण परिवार दोनों प्रकार के स्त्रोतों से ऋण ले रहे हैं, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति जटिल हो जाती है। दरअसल, गांवों में किसानों को औपचारिक ऋण से जोड़ने के मद्देनजर सरकार द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड, सहकारी समितियों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था आदि प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं।

इससे ग्रामीण लोगों की क्रयशक्ति में वृद्धि, डिजिटल उपयोग में वृद्धि, खपत में वृद्धि, ग्रामीणों की बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच, गांवों में लोगों के जीवन स्तर में सुधार, ग्रामीण भारत के लोगों की पूरक आय में वृद्धि जैसी सकारात्मक पृष्ठभूमि निर्मित हुई है। वर्ष 2019 में शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत अब तक 9.7 करोड़ से अधिक सीमांत किसानों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से 20 किस्तों में कुल 3.9 लाख करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है, जिससे उन्हें खेती-किसानी से जुड़े खर्चों में महत्वपूर्ण राहत मिली है। वहीं पीएम स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनकी जमीन का कानूनी हक देकर उनके आर्थिक सशक्तीकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है। इन सब प्रयासों से ग्रामीण लोगों की खर्च के साथ बचत बढ़ रही है। चिंताजनक तथ्य यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अब भी लगभग 22 फीसदी लोग ऋण के लिए साहूकारों और अन्य अनौपचारिक स्त्रोतों पर निर्भर हैं।

विशेष रूप से छोटे किसानों को जब आय की अस्थिरता, मौसमी जोखिमों और सरकार से पर्याप्त वित्तीय सहायता की कमी का सामना करना पड़ता है, तब वे मजबूरीवश ऊंची ब्याज दरों के बावजूद साहूकारों से ऋण लेने को विवश हो जाते हैं। कई बार सामाजिक और जनसांख्यिकीय कारक भी साहूकारों से ऋण लेने के मद्देनजर असर डालते हैं। वैसे छोटे किसान औपचारिक स्त्रोतों से ऋण लेना तो चाहते हैं, लेकिन कई बार दस्तावेज की कमी, गारंटीदाता की कमी एवं अन्य शर्तें बाधा डालती हुई दिखाई देती हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के सर्वेक्षण के अनुसार लगभग पचास प्रतिशत कृषि परिवार कर्ज में डूबे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक किसानों को ऋण के लिए संस्थागत बैंकों के साथ-साथ गैर-संस्थागत स्त्रोतों जैसे साहूकारों और रिश्तेदारों पर भी निर्भर रहना पड़ता है। कई बार ये छोटे किसान भारी-भरकम ब्याज दर से ऋण चुका पाने में असमर्थ रहते हैं। ऐसे में उन्हें ब्याज के बोझ को हल्का करने के लिए फिर ऋण लेना होता है और ऐसे छोटे किसान साहूकारों के ऋण जाल में फंसते चले जाते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की 2024-25 की सालाना रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक दशक में ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग शाखाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बैंक शाखाओं की संख्या मार्च 2010 के 33,378 से बढ़कर दिसंबर 2024 तक 56,579 हो गई है। इसके साथ ही सहकारी समितियों का नया विस्तार दिखाई दे रहा है। ऐसे में साहूकारों और अनौपचारिक ऋणों पर निर्भरता घटाने के लिए दूसरे कदम भी उठाने की जरूरत है। छोटे ऋणों और कम अवधि के ऋण वाली कई योजनाएं तैयार करके साहूकारों पर निर्भरता कम करनी होगी। ग्रामीण ऋण लागत कम करने और विश्वास बढ़ाने के लिए तकनीक का लाभ उठाया जाना होगा। औपचारिक ऋणों के लिए बेहतर प्रोत्साहन और डिजिटल उपकरणों से लैस बैंक प्रतिनिधियों को ग्रामीण परिवारों और संस्थानों के बीच समन्वय का माध्यम बनाया जाना होगा।

इसके साथ ही, वित्त-तकनीक कंपनियों द्वारा ग्रामीण कर्ज धारकों के लिए विश्वसनीय क्रेडिट प्रोफाइल तैयार करने के लिए वैकल्पिक क्रेडिट स्कोरिंग डेटा का उपयोग किया जाना होगा। गांवों में साहूकारों पर ऋण निर्भरता की प्रवृत्ति को रोकने के लिए ग्रामीण क्षेत्र के छोटे व्यवसायों को विश्वसनीय संस्थागत वित्तीय सेवाएं प्रदान करने हेतु लक्षित नीतिगत उपाय सुनिश्चित किए जाने होंगे। ग्रामीण अर्थव्यवस्था के अंतिम छोर तक मजबूत गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी की भूमिका को प्रभावी बनाना होगा।

सोयाबीन ठिकाने लगाने को बीन बजाते ट्रंप

पुष्परंजन

आलू-प्याज जैसी फसल जब मंडी से भी कोई नहीं उठाता, किसान क्या करता है? किसान उसे ट्रैक्टर ट्राली पर लादकर मोहल्ले-मोहल्ले माइक से आवाज लगाता है 'पचास रुपये के पांच किलो आलू ले लो... प्याज ले लो..।' इन दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति की हालत ठीक उसी किसान की तरह हो गई है। ट्रम्प भी 'सोयाबीन ले लो...' की विश्वव्यापी गुहार लगा रहे हैं। ट्रम्प पर अमेरिकी सोयाबीन उत्पादकों का जबरदस्त दबाव है। ट्रम्प प्रशासन ने मंगलवार को घोषणा की, कि वह प्रभावित किसानों को 12 अरब डॉलर तक की आपातकालीन सहायता प्रदान करेगा। कृषि मंत्री सन्नी पर्ड्यू ने कहा कि यह योजना, यूएसडीए के कमोडिटी कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को अस्थायी राहत प्रदान करेगी। इस बीच ट्रम्प चीन, यूरोपीय संघ और अन्य देशों के साथ दीर्घकालिक नीति पर बातचीत करेंगे। 12 अरब डॉलर का भुगतान बिना अमेरिकी कांग्रेस की स्वीकृति के? यह भी ट्रम्प के लिए मुश्किल हालात हैं।

ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान, किसानों को 23 अरब डॉलर से अधिक की व्यापार सहायता देने के लिए सीसीसी का इस्तेमाल किया था। कमोडिटी क्रेडिट कॉर्पोरेशन (सीसीसी), अमेरिकी कृषि विभाग 'यूएसडीए' की वित्तपोषण इकाई है। यह अमेरिकी राजकोष से 30 अरब डॉलर तक उधार ले सकता है, और किसी भी शुद्ध घाटे की भरपाई बाद में यूएस कांग्रेस (संसद) की हामी से विनियोजित की जाती है। जब से ट्रम्प आये हैं, सीनेट पांच बार वित्तीय प्रस्ताव खारिज कर चुका है। इलिनोइस विश्वविद्यालय अर्बाना-शैंपेन के एसोसिएट प्रोफेसर जोनाथन कोप्पेस ने एक मेल के जरिये जानकारी दी—'इस फंड से जो पैसा निकलता है, हर साल शरद ऋतु में फिर से भर दिया जाता है, लेकिन शटडाउन के कारण इसे फिर से नहीं भरा गया है।' अर्थात, यहां खजाना खाली है। ट्रंप ने बार-बार कहा है कि हमारा प्रशासन टैरिफ से होने वाली आय का इस्तेमाल किसानों की सहायता के लिए करेगा। लेकिन, किसानों को इस तरह के सीधे भुगतान की वैधानिक सीमा 35 करोड़ डॉलर है।

जरूरत 12 अरब डॉलर की है, और ट्रम्प की क्षमता 35 करोड़ डॉलर देने भर की है। मामला, सचमुच बुरा फंसा है। अमेरिकी सोयाबीन के सबसे बड़े विदेशी खरीदार चीन ने आखिरी बार मई, 2025 में अमेरिकी सोयाबीन खरीदी थी। सितंबर में शुरू हुए इस फसल के मौसम के लिए उसने कोई सोयाबीन नहीं खरीदी है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोया किसानों को समझाया, कि हम अभी भी पेइचिंग के साथ सोयाबीन समझौते का प्रयास कर रहे हैं। वाशिंगटन स्थित थिंक टैंक, 'सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज' के स्कॉट कैनेडी ने सोमवार को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा, कि चीन के पास 'दुनिया भर से सोयाबीन खरीदने का ऑप्शन रहता है। चीन पर 55 प्रतिशत टैरिफ लगाना अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए विशेष रूप से अच्छा नहीं है, इसलिए मुझे लगता है कि टैरिफ के स्तर को फिर से कम करने की आवश्यकता है।'

चीनी राष्ट्रपति शी ने ट्रम्प को सबक सिखाने के वास्ते ब्राजील और अर्जेंटीना को सोयाबीन का ऑर्डर देना शुरू किया है। चीनी वस्तुओं पर ट्रंप के टैरिफ के जवाब में, चीन ने अप्रैल में अमेरिकी सोयाबीन पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया, जिससे उनकी मूल्य प्रतिस्पर्धात्मकता और कम हो गई। चीन के अलावा, अमेरिकी सोयाबीन के शीर्ष आयातकों में मेक्सिको, यूरोपीय संघ, जापान और इंडोनेशिया शामिल हैं। अमेरिकी किसान वियतनाम से लेकर नाइजीरिया तक खरीदारों की तलाश कर रहे हैं। पिछले महीने, आयोवा के रिपब्लिकन गवर्नर किम रेनॉल्ड्स, जो सोयाबीन की खेती पर अत्यधिक निर्भर एक अमेरिकी राज्य है, एक प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत आए थे, जिसमें आयोवा के कृषि सचिव माइक नाइग और राज्य के कृषि और व्यावसायिक नेता शामिल थे। इलिनोइस सोयाबीन का प्रमुख उत्पादक राज्य है, लेकिन आयोवा, नेब्रास्का और मिनेसोटा भी बड़े उत्पादक हैं। ट्रंप की व्यापार टीम चाहती है, कि भारत के कृषि बाजार को अमेरिकी उत्पादों के लिए पूरी तरह से खोल दिया जाए। लेकिन, भारत में किसान वोट बैंक को ट्रम्प की खुशी में आहुति देने का जोखिम बीजेपी नहीं ले सकती। इसलिए, अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोलने के सवाल पर मोदी सरकार कोई फैसला जल्दबाजी में नहीं लेना चाहती। वर्ष 2023-2024 में, भारत में लगभग 130.5 लाख मीट्रिक टन सोयाबीन का उत्पादन होने का अनुमान लगाया गया था, जो देश के कुल तिलहन उत्पादन का लगभग एक-तिहाई है।

परिणामस्वरूप, ब्राजील, संयुक्त राज्य अमेरिका, अर्जेंटीना और चीन के बाद भारत, दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सोयाबीन उत्पादक देश बन गया है। फिर भी, भारत ने 2023-24 में 6.25 लाख टन सोयाबीन का आयात किया था। भारत में, सोयाबीन उगाने वाले प्रमुख राज्य मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक, गुजरात और तेलंगाना हैं। सोयाबीन का सेवन दूध के विकल्प के रूप में पीने या पूरक के रूप में भी करते हैं। पौष्टिक होने के साथ-साथ, सोयाबीन के कुछ अन्य लाभ और उपयोग भी हैं। इसे परिष्कृत करके सोया तेल निकाला जाता है, और इसका उपयोग पर्यावरण के अनुकूल ईंधन, मोमबत्तियां, क्रेयॉन और इंजन लुब्रिकेंट बनाने के लिए किया जाता है। वर्ष 2025 की शुरुआत से, भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश ने अमेरिका से 4,00,000 मीट्रिक टन से ज्यादा सोयाबीन का आयात किया है।

करवा चौथ के व्रत से वैवाहिक समस्याएं होती हैं दूर

करवा चौथ व्रत को बहुत कठिन माना जाता है। मान्यता है करवा चौथ का व्रत रखने से पति की उम्र लंबी होती है और वैवाहिक जीवन में खुशियां आती हैं। यदि वैवाहिक जीवन में तनाव या समस्याएं हों तो करवा चौथ का व्रत करने से वे दूर हो जाती हैं। करवा चौथ का व्रत हर साल कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। उस दिन कार्तिक संकष्टी चतुर्थी होती है, जिसे वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी कहते हैं। करवा चौथ पर करवा माता की पूजा की जाती है और पूजा के बाद चंद्र दर्शन करते हुए अर्घ्य देकर पति के हाथों से पानी पीकर व्रत का पारण किया जाता है। इसके बिना करवा चौथ का व्रत पूरा नहीं होता है। इस त्योहार पर सुहागिन महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं करवा चौथ पर विशेष रूप भगवान गणेश और चंद्रदेव की पूजा का विधान है। करवा चौथ का व्रत सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु और सुख समृद्धि के लिए रखती हैं।

पूजा मुहूर्त

करवा चौथ का व्रत साल 2025 में 10 अक्तूबर 2025 को रखा जाएगा। इस दिन करवा चौथ पूजा का शुभ मुहूर्त 05:57 पीएम से 07:11 पीएम तक रहेगा। इस दिन करवा चौथ के व्रत का समय 06:19 एम से 08:13 एम तक रहेगा। इस दौरान आप विधि विधान से करवा माता की आराधना और कथा सुन सकते हैं।

करवा चौथ की तिथि

करवा चौथ का व्रत हर वर्ष कार्तिक महीने की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन रखा जाता है। साल 2025 में इस तिथि की शुरुआत 9 अक्तूबर 2025 को 10:54 पीएम बजे होगी। वहीं इस तिथि का समापन 10 अक्तूबर को 07:38 पीएम तक होगा। ऐसे में साल 2025 में करवा चौथ का व्रत 10 अक्तूबर 2025 को रखा जाएगा। साल 2025 में करवा चौथ के दिन चंद्रदोय का समय रात के 8:13 पीएम पर होगा।

ना करें ये गलतियां

करवा चौथ पति-पत्नी के बीच के रिश्ते को मजबूत करने और अखंड सौभाग्य पाने का होता है। इसलिए इस दिन सोलह श्रृंगार जरूर करें। सोलह श्रृंगार न सिर्फ सुहाग का प्रतीक होता है बल्कि यह शुभता को भी दर्शाता है। बिना सोलह श्रृंगार के पूजा करने की गलती ना करें। करवा चौथ के दिन बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लेने का बड़ा महत्व है। लिहाजा इस दिन बड़े-बुजुर्गों का अपमान करने की गलती न करें, वरना विधि-विधान से पूजा करने के बाद भी उसका पूरा फल नहीं मिलेगा।

पूजा विधि

करवा चौथ के दिन सुबह ही स्नान कर लेना चाहिए। इसके बाद साफ वस्त्रों को धारण करें। अब पूजा करने के लिए सभी सामग्रियों को एकत्रित कर लें। फिर घर के मंदिर की दीवारों पर गेरू से फलक बनाकर करवा का चित्र बनाएं। इसके बाद महिलाएं मुहूर्त के अनुसार पूजा स्थान पर अपना स्थान लें, और करवा माता की कथा सुनें। कथा के बाद सभी बड़ो का आशीर्वाद लें। शाम के समय आप एक चौकी लगाएं, उसपर लाल रंग का वस्त्र बिछाएं। फिर उसपर पर करवा माता की तस्वीर स्थापित कर लें, और चौकी के पास एक दीया जलाएं। इस दौरान एक करवा चावल भरकर उसे दक्षिणा के रूप में रख दें।

हंसना मना है

पति- ये सब्जी जो तुमने बनाई है इसका क्या नाम है? पत्नी- क्यों पूछ रहे हो? पति- मुझे भी तो ऊपर जाकर जवाब देना है जब वो पूछेंगे- क्या खाकर मरे थे? पति की इस बात को सुनकर बीवी ने उसकी बेलन से कुटाई कर दी।

टीचर- क्लास में लड़ाई क्यों नहीं करनी चाहिए? मोटू- क्योंकि पता नहीं एग्जाम में कब किसके पीछे बैठना पड़ जाए। मोटू की बात सुनकर टीचर भी सोच में पड़ गई।

पप्पू काफी देर से अपने मैरिज सर्टिफिकेट को घूर कर देख रहा था! उसकी पत्नी सोनी बोली- इतनी देर से इसे क्यों घूर रहे हो? पप्पू- इसकी एक्सपायरी डेट ढूंढ रहा हूं।

पत्नी पति से- कहां पर हो आप? पति- स्कूटर से गिर गया हूं, एक्सीडेंट हो गया है और हॉस्पिटल जा रहा हूं.. पत्नी घबराते हुए बोली- ध्यान रखना जरा, टिफिन टेढ़ा ना हो जाए, वरना दाल गिर जायेगी।

पति (पत्नी से)- जरा, पानी पीला दो, पत्नी- क्या हुआ प्यास लगी है? पति (गुस्से से)- नहीं गला चैक करना है कि कहीं से लीक तो नहीं है!

कहानी | दूध न पीने वाली बिल्ली

एक बार विजयनगर में चूहों ने बहुत तबाही मचाई, जिससे पूरी प्रजा परेशान थी, क्योंकि चूहे आए दिन किसी के कपड़े कुतर जाते, तो किसी की फसल और अनाज को नुकसान पहुंचाते। एक दिन पूरी प्रजा राजा कृष्णदेव राय के दरबार में पहुंची और उनकी समस्या दूर करने की प्रार्थना की। मुखिया की बात सुनकर राजा ने आदेश दिया कि हर घर में एक बिल्ली पाली जाए और उसकी देखभाल की जाए। बिल्लियों की देखभाल के लिए उन्होंने हर घर में एक-एक गाय भी दे दी। महाराज ने तेनालीराम को भी एक बिल्ली और एक गाय दी। बिल्लियों के आने से चूहे कुछ ही दिनों में भाग गए और गायों का दूध पीकर बिल्लियां भी मोटी हो गईं। अब प्रजा के सामने बस एक ही समस्या थी कि समय से बिल्लियों को दूध दिया जाए और गायों का पालन किया जाए। वहीं, बिल्लियां दूध पी-पीकर इतनी मोटी हो गईं कि चलती-फिरती तक नहीं थीं। तेनालीराम की बिल्ली भी मोटी और सुस्त हो गई थी। वह अपनी जगह से हिलती भी नहीं थी। एक दिन बिल्ली के आलसीपन से परेशान होकर तेनालीराम को योजना सूझी। उसने रोज की तरह बिल्ली के सामने दूध से भरा कटोरा रख दिया, लेकन इस बार दूध बहुत गरम था। उसे मुंह लगाते ही बिल्ली का मुंह जल गया और उसने दूध नहीं पिया। इस प्रकार कई दिन निकल गए, जिससे बिल्ली दुबली हो गई और भागने भी लगी। इसी बीच राजा ने सभा में बिल्लियों का निरीक्षण किया। सभी की बिल्लियां बहुत मोटी हो गई थीं, लेकिन तेनालीराम की बिल्ली बहुत दुबली थी। राजा ने इसका कारण पूछा, तो उसने कहा कि मेरी बिल्ली ने दूध पीना छोड़ दिया है। राजा ने इस बात को नहीं माना और उसने एक कटोरा दूध बिल्ली के सामने रखा। दूध को देखते ही बिल्ली भाग खड़ी हुई। इस घटना को देख कर सभी दंग रह गए। राजा ने तेनालीराम से इसका राज जानना चाहा। तब तेनालीराम ने कहा, महाराज अगर सेवक ही आलसी हो जाए, तो उसका रहना मालिक पर बोझ बन जाता है। वैसे ही इन सभी बिल्लियों के साथ भी है। मैंने बिल्ली का आलस भगाने के लिए उसे गर्म दूध दिया जिससे उसका मुंह जल गया और वह खुद से ही अपना भोजन तलाशने लगी। इससे वह ठंडा दूध देखकर भी भाग जाती और अपना भोजन खुद ही तलाश करती। धीरे-धीरे यह चुस्त और तेज हो गई, ठीक ऐसे ही मालिक को अपने सेवक के साथ करना चाहिए और उसे आलसी नहीं बनने देना चाहिए। तेनालीराम की बात राजा को पसंद आई और उन्होंने तेनालीराम को एक हजार स्वर्ण मुद्राएं इनाम में दीं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ
कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मिथुन
व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क
कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी।

सिंह
कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या
धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें।

तुला
जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। स्त्री पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक
आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें।

धनु
भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मकर
आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दु:खद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

कुम्भ
पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। सुख के साधन जुटेंगे।

मीन
आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे गर्व है कि मैं एविएटर्स के परिवार से हूं : लारा दत्ता

लारा दत्ता भूपति ने साशोल मीडिया हैंडल पर 93वें भारतीय वायु सेना दिवस पर एक खास पोस्ट शेयर किया। इसके साथ ही लारा ने अपने दादा, पिता और बहन की वीरता का गुणगान किया है। लारा दत्ता ने कैप्शन में लिखा, मैं एविएटर्स के परिवार में पली-बढ़ी हूं... मेरे दादा चंद्र किशोर दत्ता ब्रिटिश ओवरसीज एयरवेज कॉर्पोरेशन के पायलट थे, जो बाद में ब्रिटिश एयरवेज बन गए। मेरे पिता विंग कमांडर एल। के। दत्ता (सेवानिवृत्त), वायु सेना (बार) वीरता पुरस्कार विजेता थे, जिन्होंने 1965 और 1971 दोनों युद्धों में अपने साहसी प्रयासों के लिए पदक जीते थे। उनके नक्शेकदम पर चलते हुए, मेरी बहन, स्क्वाड्रन लीडर चेरिल दत्ता भारतीय वायु सेना में कमीशन की गई महिला हेलीकॉप्टर पायलटों के पहले बैच का हिस्सा रहीं। आगे लारा नेवे कहते है कि उड़ान खून में दौड़ती है। भारतीय सशस्त्र बलों के बच्चे होने की मेरी पहचान को कुछ भी अलग नहीं कर सकता। इस 93वें भारतीय वायु सेना दिवस 2025 पर, मैं उन बहादुर वायु योद्धाओं को सलाम करती हूं, जो हमारे आसमान की रक्षा करते हैं और गर्व और गौरव के साथ देश की सेवा करते हैं। लारा दत्ता भूपति ने 2000 में मिस यूनिवर्स का खिताब जीता। उसके बाद उन्होंने हिंदी फिल्मों में काम किया। लारा ने अपने अभिनय की शुरुआत 2003 में फिल्म अंदाज से की थी। इसके बाद लारा ने मस्ती, नो एंट्री, भागम भाग, पार्टनर, हाउसफुल जैसी कई फिल्मों में अभिनय किया है।

अक्षय और सैफ की फिल्म 'हैवान' के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग शुरू

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की आगामी फिल्म हैवान को लेकर दर्शकों में काफी रोमांच बना हुआ है। आज बुधवार को अक्षय कुमार ने जानकारी दी है कि उन्होंने इस फिल्म के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेता ने एक वीडियो पोस्ट शेयर करते हुए सैफ अली खान के बारे में कुछ बातें भी कही हैं।

अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अभिनेता एक ब्लैक कलर की चार पहिया गाड़ी के पीछे से हस्यमयी तरीके से एंट्री लेते हैं। उनके आंखें एक अलग ही जोश और खतरनाक पल को दर्शाती नजर आ रही हैं। साथ ही बैकग्राउंड म्यूजिक दर्शकों का ध्यान खींच रहा है। आपको बताते चलें कि अक्षय ने ये वीडियो अपनी आगामी फिल्म हैवान के सेट से शेयर की है, जिसके आखिरी शेड्यूल की शूटिंग शुरू हो गई है।

बॉलीवुड | गपशप

इस वीडियो पोस्ट को शेयर करते हुए अक्षय कुमार ने कैप्शन भी दिया है। उन्होंने लिखा, 'हैवान का आखिरी शेड्यूल। क्या शानदार सफर रहा है। इस किरदार ने मुझे कई तरह से प्रेरित किया। साथ ही इसने हैरान भी किया है। प्रियदर्शन सर का हमेशा आभारी रहूंगा, आपके सेट घर जैसे लगते हैं। साथ ही सैफ अली खान का हंसी, सहजता और पर्दे पर उन सभी सहज पलों के लिए शुक्रिया।

आगामी फिल्म हैवान का निर्देशन प्रियदर्शन द्वारा किया जा रहा है। इसके अलावा फिल्म का निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस ने थेस्पियन फिल्म्स के सहयोग से किया है। वहीं इसे वेंकट के नारायण और शैलजा देसाई फेन ने संयुक्त रूप से निर्मित किया है।

बॉक्स ऑफिस पर 370 करोड़ छापने वाली फिल्म वार-2 अब ओटीटी पर करेगी धमाल

अयान मुखर्जी की मच अवेटेड फिल्म वॉर 2 को 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। YRF स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा रही इस फिल्म से मेकर्स को काफी ज्यादा उम्मीदें थीं दूसरा बड़े स्टार की मौजूदगी ने इसके ग्राफ को और ऊपर सेट कर दिया था। हालांकि ऐसा हुआ नहीं, फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर नंबर जुटाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

जूनियर एनटीआर ने इस फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू किया था। उनके अलावा फिल्म में लीड एक्ट्रेस के तौर पर कियारा आडवाणी नजर आई थीं। अब थिएटर से मायूस होकर लौटने के बाद वॉर 2 ओटीटी पर नई उम्मीद के साथ उतरने के लिए तैयार है। नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया पर इसकी अनाउंसमेंट की है।

नेटफ्लिक्स ने बुधवार को घोषणा की कि वॉर 2 उनके प्लेटफॉर्म पर 9 अक्टूबर को रिलीज होगी। यह हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। नेटफ्लिक्स इंडिया के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने इसकी घोषणा करते हुए लिखा, डबल द रेज। डबल द रैम्पेज। वॉर के लिए तैयार हैं? वॉर 2 देखें, 9 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर। कई फैंस ने फिल्म देखने के लिए अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कमेंट किया।

वहीं वॉर 2 की रिलीज के लगभग डेढ़ महीने बाद ऋतिक रोशन ने इसके बारे में बात की थी। फिल्म में अपने किरदार कबीर की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा,सब कुछ बहुत परफेक्ट लग रहा था। मानों ये होना ही था। एक पक्का शॉट। कोई चिंता नहीं, बस मुझे अपना काम सही से करना था। और मैंने किया भी। लेकिन उस बेतुके यकीन के पीछे कुछ छिपा था। एक आवाज जिसे मैं दबाता रहा। ये बहुत आसान है मैं ये अच्छी तरह जानता हूं। और एक और आवाज जिसने कहा, मैं इसके लायक हूं, हर फिल्म एक टॉर्चर और ट्रॉमा नहीं हो सकती। उस पल की सच्चाई की निरंतर खोज नहीं होनी चाहिए। बस आराम करो।

अजब-गजब | अमेजन के जंगलों में अजीबो-गरीब जिंदगी बिताते हैं आदिवासी

मोटे पेड़ों के तनों को काटकर बनाते हैं 5 स्टार होटल! नहीं देना पड़ता किराया, मुफ्त में लें मजा

अमेजॉन के रहस्यमयी जंगलों ने एक बार फिर दुनिया को हैरान कर दियाहै। सोशल मीडिया पर अपलोड हुए एक छोटे वीडियो ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया, जिसमें एक एक्सप्लोरर ने ब्राजील के घने वर्षावनों में एक अलग-थलग आदिवासी समुदाय को खोजा। ये लोग विशाल पेड़ों के खोखले तनों के अंदर रहते हैं, जो बाहर से मजबूत दिखते हैं लेकिन अंदर से कमरों, गलियारों और सोने की जगहों में तब्दील हो जाते हैं। वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे ये आदिवासी दरवाजे लगाकर अपने 'घरों' को जंगली जानवरों जैसे जंगली बिल्लियों, सांपों और भालुओं से सुरक्षित बनाते हैं। ना कोई ईंट, ना पत्थर—बस प्रकृति का इकलौता सहारा।

वीडियो अब तक लाखों व्यूज बटोर चुका है। जंगल की गहराई में दिख रहा विशालकाय पेड़ किसी का घर हो सकता है, ये सोच पाना भी थोड़ा मुश्किल है। बाहर से ये पेड़ सामान्य लगते हैं, लेकिन अंदर से इसे खोखला बनाकर घर जैसा बना डाला है।

आदिवासियों ने इसमें सीढ़ियां काटीं, दीवारें मजबूत की और एक लकड़ी का दरवाजा फिट किया। बताया जा रहा है कि काफी लंबे समय से आदिवासी इस तरह के घरों में रहते आए हैं। ये लोग बाहर की दुनिया से अनजान होते हैं लेकिन इन पेड़ों के अंदर वो जानवरों से बचते हुए आराम से समय बिताते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि ये समुदाय अमेज़न के उन 77 से 84अनकॉन्टैक्टेड ट्राइब्स में से एक हो सकता है, जो ब्राजील के उत्तरी हिस्से में छिपे हैं। सरवाइवल इंटरनेशनल जैसे संगठन चेतावनी दे रहे हैं कि ऐसी खोजें खतरे की घंटी है। 'लॉगिंग, माइनिंग और अवैध शिकार इनके इलाके को नष्ट कर रहे हैं। संपर्क से महामारी फैल सकती है, जैसा कि पहले माशको पिरो ट्राइब के साथ हुआ,' संगठन की रिसर्चर टेरेसा मेयो ने कहा। 2024 में दो लोगों को तीरों से मार दिया गया था, जब वे इनके इलाके में घुसे थे।

अमेज़न के ये आदिवासी प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर जीते हैं। वे हंटर-गेदरर हैं-तीर-कमान से शिकार करते हैं, जंगली फल, शहद और जड़ें इकट्ठा करते हैं। उनके 'होम्स' ना सिर्फ सुरक्षित हैं, बल्कि पर्यावरण-अनुकूल भी हैं। पेड़ के खोखले हिस्से हवा और नमी को नियंत्रित रखते हैं, जो वर्षावन की उमस में आराम देते हैं। सोशल मीडिया यूजर्स इसे '5-स्टार होटल' कह रहे हैं-मुफ्त रेंट, प्राइवेट स्पेस और नेचर व्यू! लेकिन असल में इन जंगलों में सर्वाइव कर पाना काफी मुश्किल है। बिना बाहरी दुनिया से सम्पर्क किए जिस तरह से ये आदिवासी इन घरों का निर्माण करते हैं, वो तारीफ के काबिल है।

500000 में से 1 केस... पेट में बच्चा लेकर पैदा हुआ शिशु, देख फटी रह गईं डॉक्टरों की आंखें!

कर्नाटक से एक बड़ा ही गजब मामला सामने आया है, यहां एक नवजात बच्चे के पेट में बच्चा पलने के खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स की मानें तो ऐसा 5,00,000 बच्चों में से केवल एक बच्चे में होता है। इस बच्चे को लोग कुदरत का चमत्कार का नाम दे रहे हैं। चलिए आपको पूरी बात बताते हैं।

दरअसल, मामला कर्नाटक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज का है। यहां 23 सितंबर को एक महिला ने स्वस्थ बेटे को जन्म दिया। डिलीवरी में मां-बेटा दोनों स्वस्थ थे। लेकिन बच्चे के जन्म के बाद जब उसकी स्कैनिंग हुई तो सामने आया कि बच्चे के पेट के भीतर एक और भ्रूण है। इस स्थिति को मेडिकल लैंग्वेज में फीटस इन फीटू कहते हैं। बता दें कि, फीटस इन फीटू एक अत्यंत दुर्लभ स्थिति है। ऐसा में गर्भ में पल रहे जुड़वां बच्चों में से बच्चे का विकास रुक जाता है और दूसरे भ्रूण के शरीर के भीतर विकसित होने लगता है। आसान शब्दों में कहें तो एक बच्चे के पेट में दूसरा बच्चा पलने लगता है। दुनिया भर में अब तक ऐसे 200 से भी कम मामले सामने आए हैं। वहीं लगभग हर 5,00,000 जन्मों में से केवल 1 ही ऐसा केस सामने आता है। हालांकि ऐसा बच्चों के बचने की संभावनाएं बहुत ही कम होती हैं। डॉक्टरों का कहना है कि समय रहते इसे सर्जरी के जरिए निकालना जरूरी होगा, वरना बच्चे को खतरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि माता-पिता की सहमति के बाद बच्चे की सर्जरी की जाएगी ताकि उसके भविष्य को सुरक्षित रखा जा सके। बता दें कि, फरवरी 2025 में महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में भी ऐसा ही एक मामला सामने आया था। वहां एक महिला ने जिस बच्चे को जन्म दिया, उसके पेट में एक नहीं बल्कि दो भ्रूण पाए गए थे। उन भ्रूणों में हाथ और पैर तक बने हुए थे। बाद में बच्चे को अमरावती के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल ले जाया गया था।

नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने भरी उड़ान

भारत की विमानन यात्रा में एक प्रमुख मील का पत्थर : अडानी

» किसानों को सीधे अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ेगा

» अडानी के पास 74 प्रतिशत है हिस्सेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नवी मुंबई। भारत ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एक कीर्तिमान गढ़ दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) का उद्घाटन किया, जो भारत की सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक है और देश की विमानन यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि मुंबई का लंबा इंतजार खत्म हो गया है क्योंकि शहर को अब अपना दूसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा मिल गया है। नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा इस क्षेत्र को एशिया के सबसे बड़े कनेक्टिविटी केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा एक ऐसी परियोजना है जो एक विकसित भारत के दृष्टिकोण का उदाहरण है।

यह छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमि, और कमल के फूल जैसी इसकी बनावट इसे संस्कृति और समृद्धि का जीवंत प्रतीक बनाती है। यह नया हवाई अड्डा महाराष्ट्र के किसानों को सीधे अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ेगा, जिसमें यूरोप औरमध्य पूर्व के सुपरमार्केट शामिल हैं। किसानों की ताज़ी उपज – फल, फूल,सब्जियां और हमारे मछुआरों के उत्पाद – वैश्विक बाजार तक तेज़ी से पहुंच सकेंगे। एनएमआईएएल एक सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) है। मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एमआईएएल), जो अडानी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) की एक सहायक कंपनी है, के पास 74 प्रतिशत की बहुमत हिस्सेदारी है, जबकि महाराष्ट्र सरकार के उपक्रम, सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ महाराष्ट्र लिमिटेड (सिडको) के पास शेष 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

आज की मांग के साथ कल की संभावनाओं का सृजन भी करेगा : गौतम अडानी

गौतम अडानी ने कहा कि ऐसे युग में जब भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन रहा है, हमने एक हवाई अड्डे से कहीं अधिक का निर्माण किया है। हमने भारत को एक प्रवेश द्वार और दुनिया के सबसे अनिवार्य चौराहों में से एक के रूप में गढ़ा है। यह एक ऐसा बुनियादी ढांचा है जो न केवल आज की मांग को पूरा करता है, बल्कि कल की घातीय संभावनाओं का सृजन भी करता है। आने वाली पीढ़ियों के लिए, इन टर्मिनलों से होकर गुजरने वाली प्रत्येक उड़ान न केवल यात्रियों को, बल्कि एक निर्णायक महाशक्ति की धड़कन और वैश्विक प्रगति के केंद्र में अपना स्थान पुनः प्राप्त करने वाले राष्ट्र के सपनों, महत्वाकांक्षाओं और उपलब्धियों को भी ले जाएगी।

एनएमआईए वैश्विक रूप से मुंबई की भूमिका मजबूत करेगा : जीत अडानी

अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड के निदेशक जीत अदानी ने कहा, एनएमआईए भारत की विमानन यात्रा में एक मील का पत्थर है, जो अत्याधुनिक तकनीक, स्थायित्व और यात्री-प्रथम अनुभव को एक साथ लाता है। सीएसएमआईए का पूरक बनकर, यह एक वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में मुंबई की भूमिका को मज़बूत करता है और देश भर में भविष्य के लिए तैयार हवाई अड्डों का खाका तैयार करता है।

भारत के सबसे बड़े यात्री-संचालन हवाई अड्डों में से एक बनेगा

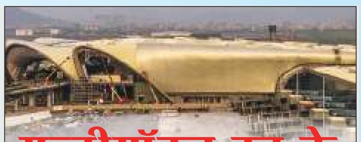

मल्टीमॉडल हब के रूप में होगा डिजाइन

एक मल्टीमॉडल हब के रूप में डिजाइन किया गया है, एनएमआईए मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक, नवी मुंबई और मुंबई मेट्रो, उपनगरीय रेल नेटवर्क और नियोजित जलमार्गों से निर्बाध रूप से जुड़ा होगा। यह एकीकरण यात्रा के समय को कम करेगा, क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ाएगा और पश्चिमी भारत के विशाल भीतरी इलाकों में माल और यात्री आवाजाही को मजबूत करेगा। भारत के राष्ट्रीय पुष्प, कमल से प्रेरित, एनएमआईए की वास्तुकला सांस्कृतिक विरासत को विश्व स्तरीय डिज़ाइन और स्थिरता विशेषताओं के साथ मिश्रित करती है, जिससे एक ऐसा हवाई अड्डा बनता है जो भारतीय पहचान में निहित है और भविष्य की आकांक्षाओं के अनुरूप है। अपने पहले दो चरणों में, एनएमआईए एक रनवे और टर्मिनल के साथ काम करेगा जो 20 एमपीपीए को संभालने में सक्षम होगा। समय के साथ, हवाई अड्डे का विस्तार चार रनवे और कई टर्मिनलों तक हो जाएगा। एक समर्पित कार्गो टर्मिनल और नाशवान वस्तुओं और एक्सप्रेस कार्गो के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ, यह भारत के व्यापार और लॉजिस्टिक्स पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देगा।एनएमआईए का उद्घाटन भविष्य के लिए तैयार, विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा बनाने के भारत के दृढ़ संकल्प को रेखांकित करता है जो आर्थिक विकास, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता और नागरिकों की आकांक्षाओं का समर्थन करता है। जैसे-जैसे राष्ट्र विकसित भारत 2047 की ओर बढ़ रहा है, एनएमआईए आधुनिक इंजीनियरिंग, सहयोगात्मक विकास और वैश्विक विमानन परिदृश्य में भारत के बढ़ते कद का प्रतीक बन गया है।

धर्म के आधार पर पक्षपात कर रही है भाजपा : ओवैसी

» सांसद बोले- अगर राकेश नहीं असद होता तो क्या होता?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने वकील राकेश किशोर द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर हमले के प्रयास को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर निशाना साधा और किशोर के खिलाफ कार्रवाई न करने पर सवाल उठाया तथा धर्म के आधार पर पक्षपात का संकेत दिया। ओवैसी ने कहा कि अगर उसका नाम राकेश किशोर नहीं होता और असद होता, तो पुलिस क्या करती? बीजेपी वाले कहते, उसे उठा लो! वह पड़ोसी देश से आया है! वे उस व्यक्ति के खिलाफ सारे मोर्चे खोल देते।

उन्होंने राकेश किशोर की बेशर्मी की तुलना हाल ही में उत्तर प्रदेश के बरेली में आई लव मुहम्मद बैनर हटाने का विरोध कर रहे मुसलमानों पर पुलिस की कार्रवाई से की। राकेश किशोर ने मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ अपनी शिकायतों की सूची में बरेली का भी ज़िक्र किया और कहा कि न्यायाधीश और सर्वोच्च न्यायालय को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बुलडोजर न्याय के खिलाफ नहीं बोलना चाहिए था। ओवैसी ने उपस्थित लोगों को याद दिलाया कि राकेश किशोर ने नारा लगाया था, सनातन का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान। किशोर ने मीडिया चैनलों को बताया कि हिंदू देवता भगवान विष्णु की एक मूर्ति से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश की हालिया टिप्पणी से उन्हें ठेस पहुँची है। मुख्य न्यायाधीश पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि उनकी मौखिक टिप्पणी का कोई असम्मानजनक अर्थ नहीं था।

मोदी तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे : पी चिदंबरम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई में हुए 26/11 हमलों को लेकर बुधवार को एक टिप्पणी की। नवी मुंबई एयरपोर्ट के उद्घाटन पर उन्होंने कहा था कि एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने स्वीकार किया है कि 2008 के आतंकी हमलों के बाद भारत पाकिस्तान पर हमला करने के लिए तैयार था। हालांकि, तत्कालीन यूपीए सरकार ने विदेशी दबाव के कारण सैन्य कार्रवाई रोक दी थी।

पीएम के इस कमेंट पर कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने रिएक्ट किया और प्रधानमंत्री के दावों को सिरे से खारिज कर दिया। चिदंबरम ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री तथ्यों को तोड़–मरोड़कर पेश कर रहे हैं ताकि राजनीतिक फायदा उठाया जा सके।

पीड़ित परिवारों से मिलेंगे नेता प्रतिपक्ष

» कफ सिरप से बच्चों की मौत पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में कथित जहरीली कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इसी कड़ी में राहुल गांधी के छिंदवाड़ा दौरे की चर्चा शुरू हो गई है। कांग्रेस ने पुष्टि की है कि राहुल इस त्रासदी से प्रभावित परिवारों से मिलने के लिए छिंदवाड़ा आ सकते हैं, हालांकि उनके दौरे की तारीख और विस्तृत कार्यक्रम अब तक औपचारिक रूप से जारी नहीं किया गया है। कांग्रेस का कहना है कि यह दौरा पूरी तरह मानवीय संवेदना के आधार पर किया जा रहा है, जबकि भाजपा इसे राजनीतिक प्रतिक्रिया मान रही है।

कांग्रेस ने लगातार इस मामले में राज्य सरकार की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। पार्टी का कहना है कि अब तक न तो दोषियों पर सख्त कार्रवाई हुई है और न ही पीड़ित परिवारों को न्याय मिला है। पार्टी प्रवक्ताओं ने मुख्यमंत्री के बयान को भी असंवेदनशील बताया है। कांग्रेस की प्रदेश प्रवक्ता संगीता शर्मा ने कहा कि राहुल का छिंदवाड़ा दौरा राजनीतिक नहीं, बल्कि मानवीय आधार पर है। वे पीड़ित परिवारों से मिलकर उनके दुख को साझा करना चाहते हैं और उनकी आवाज़ को मजबूत करेंगे। यह समय राजनीति का नहीं, जवाबदेही का है। भाजपा सरकार को अब बहाने नहीं, साफ जवाब देने की जरूरत है कि अब तक इस पूरे मामले में जिम्मेदारों पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

श्रीसन मेडिकल्स के मालिक एस रंगनाथन गिरफ्तार

प्रदेश में जानलेवा कोल्ड्रिफकफ सिरप से बच्चों की मौत के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए श्रीसन मेडिकल्स के मालिक एस रंगनाथन को गिरफ्तार किया है। इससे पहले छिंदवाड़ा पुलिस अधीक्षक अजय पांडे ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तमिलनाडु के चेन्नई की श्री सन फार्मास्यूटिकल कंपनी के मालिक रंगनाथन पर 20 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की थी। अब पुलिस ने उसको गिरफ्तार कर लिया है। छिंदवाड़ा के एसपी अजय पांडे ने बताया कि श्रीसन फार्मा के मालिक एस रंगनाथन को कल रात गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें चेन्नई (तमिलनाडु) की एक अदालत में पेश किया जाएगा और ट्रांजिट रिमांड हासिल करने के बाद छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश) लाया जाएगा।

दूसरे टेस्ट में बिना बदलाव के उतरेगा भारत

» नीतीश रेड्डी को मिलेगा एक और मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा व अंतिम मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में 10 अक्टूबर से 14 अक्टूबर के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमें दिल्ली पहुंच चुकी हैं। हालांकि, खराब मौसम और बारिश के चलते प्रैक्टिस में बाधा पड़ी है। अरुण जेटली स्टेडियम में काली और लाल, दोनों मिट्टी की पिच हैं। दूसरा टेस्ट काली मिट्टी की पिच पर खेला जाएगा। ऐसे में यहां बल्लेबाजों की मौज होगी। हालांकि, दूसरे दिन के बाद जब पिच सूख जाएगी तो स्पिनर्स को मदद मिलना भी शुरू हो जाएगी। वहीं दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम अपने विजयी संयोजन में बदलाव नहीं करेगी।

इसकी पुष्टि टीम के सहायक कोच रेयान टेन डेशकाटे ने की है। उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन नीतीश को तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में तैयार करने की दीर्घकालिक योजना के तहत एक और मौका देना चाहता है। डेशकाटे ने कहा, मैं कहूंगा कि संयोजन में बदलाव की संभावना नहीं है। आंध्र प्रदेश के 22 वर्षीय नीतीश को पिछले टेस्ट में सीमित अवसर मिला

था, लेकिन कोचिंग स्टाफ उन्हें भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश के रूप में देख रहा है। सहायक कोच ने कहा, हमें लगता है कि उन्हें एक और अवसर देना और टीम के संतुलन को बनाए रखना सही रहेगा। वह एक शानदार तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं। भारत के स्पिन विभाग में पहले से ही रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल जैसे तीन विश्वस्तरीय विकल्प मौजूद हैं जिनके पास समान कौशल है। डेशकाटे ने स्वीकार किया कि इस गहराई के कारण नीतीश के लिए लगातार अंतिम एकादश में जगह बनाना मुश्किल हो जाता है लेकिन उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतिस्पर्धा से खिलाड़ी बेहतर ही होता है।

ऑस्ट्रेलिया के लिए दो चरणों में 15 अक्टूबर को रवाना होगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम 15 अक्तूबर को दो चरणों में दिल्ली से रवाना होगी। यात्रा की अंतिम रूपरेखा लॉजिस्टिक्स और टिकटों की उपलब्धता पर निर्भर करेगी। भारत को इस दौरे पर तीन वनडे और पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। बीसीसीआई से जुड़े सूत्र के हवाले से कहा, खिलाड़ियों का एक दल सुबह रवाना होगा, जबकि दूसरा समूह बिजनेस क्लास टिकटों की उपलब्धता के आधार पर शाम की उड़ान से ऑस्ट्रेलिया के लिए उड़ेगा। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली, साथ ही नवनियुक्त उपकप्तान श्रेयस अय्यर, टीम के बाकी सदस्यों के साथ रवाना होने से पहले नई दिल्ली में टीम से जुड़ेंगे। सूत्र ने बताया, विराट और रोहित या तो रवाना होने वाले दिन या उससे एक दिन पहले दिल्ली पहुंच जाएंगे। वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 19 अक्तूबर को पर्थ में खेला जाएगा।

2027 के विधानसभा चुनाव में अकेले उतरेगी बसपा : मायावती

» बोलीं बसपा प्रमुख- वोट ट्रांसफर नहीं होते

» कांशीराम की पुण्यतिथि पर आयोजित हुई रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी और कोई गठबंधन नहीं करेगी। लखनऊ में बसपा विचारक कांशीराम की पुण्यतिथि पर आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा कि राज्य या देश के अन्य हिस्सों में गठबंधन करके चुनाव लड़ने से पार्टी को कोई लाभ नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि हमारे वोट ट्रांसफर हो जाते हैं, लेकिन दूसरी पार्टी हमें वोट ट्रांसफर नहीं करती, जिससे हमारा वोट शेयर कम हो जाता है। गठबंधन सरकार बनाने पर भी लंबे समय तक नहीं टिकते। पिछले चुनावों को याद करते हुए, बसपा प्रमुख ने कहा कि जब पार्टी ने पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके विधानसभा चुनाव लड़ा था, तो पार्टी केवल 67 सीटें ही जीत पाई थी। नेता ने कहा, 2007 में हम अपने दम पर बहुमत की सरकार बनाने में कामयाब रहे थे।

मैं किसी से छिपकर नहीं मिलती

आज़म खान को लेकर चल रही अफवाहों पर, बसपा प्रमुख मायावती ने सीधे तौर पर उनका नाम लिए बिना कहा कि पिछले महीने से ही झूठी खबरें चल रही थीं कि दूसरे दलों के नेता बसपा में शामिल हो रहे हैं और उन्होंने दिल्ली और लखनऊ में उनसे मुलाकात की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मैंने किसी से मुलाकात नहीं की है। मैं किसी से छिपकर नहीं मिलती।

प्रदेश की योगी सरकार की सराहना की

बसपा प्रमुख ने दलितों के कल्याण के लिए धन का उपयोग करने के लिए राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार की भी सराहना की। उन्होंने कहा, हम वर्तमान सरकार के आभारी हैं क्योंकि समाजवादी पार्टी सरकार के विपरीत, इस स्थल पर आने वाले आगंतुकों से एकत्रित धनराशि को वर्तमान भाजपा सरकार ने नहीं रोका है। उन्होंने आगे कहा कि जब उनकी पार्टी सत्ता में थी और स्मारक का निर्माण हुआ था, तब उन्होंने तय किया था कि आगंतुकों के लिए टिकटों से विशेष रूप से लखनऊ के पार्कों और अन्य स्मारक स्थलों के रखरखाव के लिए राजस्व प्राप्त होगा, और यह धन अन्य उद्देश्यों के लिए नहीं इस्तेमाल किया जाएगा।

बिहार चुनाव : महागठबंधन में सीट शेयरिंग पर बनी बात

» राजद- वीआईपी और कांग्रेस से एक-एक डिप्टी सीएम?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव अपने नए-नए रंग में दिखने लगा है। सीटें बंटवाने का सिलसिला जारी हो गया। महागठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर घटक दलों के बीच लगातार बैठकें हो रही हैं। बीते बुधवार को भी बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक आरजेडी ने महागठबंधन में सीएम कैंडिडेट के तौर पर तेजस्वी यादव और इसके अलावा तीन डिप्टी सीएम का फॉर्मूला रखा है।

आरजेडी, कांग्रेस और वीआईपी से एक-एक डिप्टी सीएम बनाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस प्रस्ताव पर कांग्रेस नेताओं से कल (बुधवार) बातचीत नहीं हो पाई थी। कांग्रेस नेताओं के दिल्ली में होने के कारण इसको लेकर चर्चा नहीं हुई. माना जा रहा है कि इस प्रस्ताव पर मुहर लग सकती है। सीट शेयरिंग का फॉर्मूला इसके आधार पर ही फिक्स हो रहा है। मुकेश सहनी शुरू से ही डिप्टी सीएम पद की मांग कर रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस कहां मानने वाली थी, तो महागठबंधन की सरकार बनती है तो उस पार्टी से भी एक डिप्टी सीएम बनाया जाएगा।

उधर वीआईपी छह ऐसी सीटों पर दावा कर रही है जो सहयोगी दलों की सीटिंग सीटें हैं. इनमें आरजेडी, कांग्रेस और माले की दो-दो सीटिंग सीटें शामिल हैं. इन छह सीटों पर कल (बुधवार) सहमति नहीं बन पाई थी. वहीं सीपीआई और सीपीएम 2020 के फॉर्मूले पर चुनाव लड़ना चाहती है. भाकपा माले को हर हाल में 19 से ज्यादा सीटें चाहिए. 2020 के फार्मूले से अपनी सीटों की संख्या को भाकपा माले बढ़ाना चाहता है।

बिहार में सीट बंटवारे का मुद्दा सुलझा लिया जाएगाः खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के लिए महागठबंधन सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे के मुद्दे को ''सुलझा लिए जाने' की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेताओं की एक बैठक (सीईसी) आज दोपहर बाद होगी, जिसमें वह डिजिटल माध्यम से शामिल होंगे। बिहार चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर महागठबंधन में गतिरोध से संबंधित एक सवाल के जवाब में खरगे ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम इसे सुलझाने जा रहे हैं। आज दोपहर 2.30 बजे एक बैठक है। मैं भी वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हो रहा हूं। हम इसे सुलझा रहे हैं...। यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, उन्होंने कहा, हम अभी यह नहीं बताएंगे कि हमने कितनी सीटें तय की हैं। आज की बैठक में हम उन सीटों पर चर्चा करेंगे जिन पर हमें समझौता करना होगा और जिन पर कोई मतभेद नहीं है। दोपहर 2.30 बजे के बाद पता चलेगा कि कितनी सीटों पर आज फैसला होगा और कितनी सीटों पर कल। खरगे को पिछले हफ्ते अस्पताल से छुट्टी मिली थी और उसके बाद मीडिया के साथ उनकी पहली बातचीत थी। अस्पताल में उन्हें पेसमेकर लगाया गया था। निर्वाचन आयोग द्वारा सोमवार को बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया गया। राज्य विधानसभा चुनाव के लिए आगामी छह नवंबर और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा तथा मतगणना 14 नवंबर को होगी।

यूपी में रुक नहीं रहे अपराध योगी सरकार नाकाम

» कहीं दलित को मार रही भीड़ तो कहीं धमाके

» लखनऊ में जमीन विवाद में चली गोलियां, तीन लोग गंभीर घायल, तीन हमलावर पुलिस हिरासत में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कहीं दलित युवक को पीट-पीटकर मारा जहा रहा है कही बम धमाके हो रहे हैं तो कहीं जमीन विवाद में एक दूसरे की जान ली जा रही है। तुर्रा प्रदेश की बीजेपी की योगी की सरकार कानून व्यवस्था को दुरु स्त बता रही है। इन घटनाओं के बढ़ने के बाद भी पुलिस सुस्त है।

चिनहट थाना क्षेत्र के मल्हौर स्थित एमिटी यूनिवर्सिटी के पास बुधवार देर रात ज़मीन विवाद को लेकर दो पक्षों में कहासुनी खूनी संघर्ष में बदल गई। अंधाधुंध फायरिंग में तीन लोग गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को आनन-फानन में डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, विवाद रौशन टिंबर के मालिक जिया-उल-हक की जमीन को लेकर हुआ। बुधवार रात अभय सिंह, सरताज खान, इंतज़ार हुसैन, शानू, अमित राय और उनके साथ आए कई लोग कथित रूप से टिंबर की जमीन पर पहुंचे और जिया-उल-हक के बेटों सलमान, साद और फैजी से भिड़ गए। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने गोलियां चला दीं। फायरिंग में तीनों भाइयों को सीने, हाथ और सिर में गोली लगी, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई। बताया जा रहा है कि गोली चलाने वालों में शामिल अभय सिंह यादव ने कुछ दिन पहले ही धमकी दी थी कि अगली बार गोली चलेगी-बुधवार रात वही धमकी हकीकत में बदल गई।

हमलावरों से पूछताछ कर कर रही है पुलिस

फायरिंग की सूचना मिलते ही डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह,एसीपी, इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्रा सहित कई थानों की पुलिस बल मौके पर पहुंची। पुलिस ने अमित राय, सरताज खान और अभय सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, जबकि मुस्तफा हुसैन और उसके अन्य साथी अभी फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। गोलीबारी से इलाके में दहशत फैल गई है। एहतियातन चिनहट और विभूतिखंड गोमती नगर विस्तार थाने की पुलिस के साथ-साथ अतिरिक्त फोर्स भी मौके पर तैनात कर दी गई है।डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया कि ज़मीन विवाद के चलते दोनों पक्षों में संघर्ष हुआ है। फिलहाल तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और फरार हमलावरों की तलाश जारी है।

बेटे के जख्म देखकर पिता अपना दर्द भूले

पिता जियाहुल हक खून से लतपथ बेटे के कपड़ों को हाथ में लिए हॉस्पिटल में पिता ने बताया मुझे भी मारा है लेकिन किया करूं बेटों को इतनी चोट आई है जिससे में अपना दर्द भूल गया खड़ा नहीं हो सकता हूं चक्कर आ था है लेकिन मेरे तीन बेटे अपनी जिंदगी और मौत से जूझ रहे है जिनके लिए में अपना दर्द भूल गया जियाहुल हक ने ये भी बताया कि उनके सर में और शरीर में भी कई जगह चोटें आई है और उनकी वैगन आर गाड़ी को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया गया है।

लखनऊ स्वच्छता अभियान में झोल ही झोल

» सिर्फ नाम की बड़ी कंपनी काम पुराने ढर्रे पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ स्वच्छता अभियान का नाम भले ही बड़ी-बड़ी कंपनियों से जुड़ा हो, लेकिन ज़मीनी हकीकत आज भी वही ढाक के तीन पात जैसी है। पहले नगर निगम के कर्मचारी जैसे काम करते थे, अब वही काम ठेके पर आई कंपनियाँ कर रही हैं — बस यूनिफॉर्म और नाम बदल गए हैं।

मुख्य मार्गों की सफाई पर नज़र डालें तो साफ दिखता है कि कूड़ा उठाने की जगह उसे जला दिया जा रहा है, जो न केवल एनजीटी की गाइडलाइन का उल्लंघन है, बल्कि लखनऊ के पर्यावरण और नागरिकों की सेहत के लिए गंभीर खतरा भी है। स्वच्छता के नाम पर चल रही यह लापरवाही दिखाती है कि कंपनी को न पर्यावरण की चिंता है, न शहर की हवा की गुणवत्ता की। सवाल उठता है कि क्या ये अभियान केवल दिखावे के लिए चल रहे हैं?

केरल लक्जरी कार तस्करी मामले में ईडी की रेड

» अभिनेता दुलकर सलमान पृथ्वीराज व अन्य के परिसरों पर की छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भूटान से भारत में लक्जरी वाहनों की कथित तस्करी से संबंधित सीमा शुल्क मामले की जांच के तहत बुधवार को तमिलनाडु और केरल में अभिनेताओं- पृथ्वीराज सुकुमारन, दुलकर सलमान, अमित चक्कलकल तथा कुछ अन्य लोगों से जुड़े परिसरों परछापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

एक सूत्र ने को बताया कि ईडी ने तलाशी के दौरान जाने माने अभिनेता ममूटी के बेटे सलमान (42) से भी उनके घर पर पूछताछ की और उनका बयान दर्ज किया। ईडी ने इस दौरान केरल में एर्नाकुलम, त्रिशूर, कोझिकोड, मलप्पुरम, कोट्टायम और तमिलनाडु में कोयंबटूर के कुछ वाहन मालिकों, ऑटो वर्कशॉप और व्यापारियों के परिसरों पर भी छापे मारे। सूत्रों ने बताया कि कुल 17 परिसरों पर छापेमारी की गई जिनमें से एक परिसर चेन्नई में है, जो दुलकर सलमान के पिता ममूटी से जुड़ा है। सूत्रों के अनुसार, ममूटी से जुड़े परिसर की तलाशी उनके बेटे के खिलाफ कार्रवाई के सिलसिले में की गई। यह कार्रवाई सीमा शुल्क विभाग द्वारा हाल में उजागर किए गए एक मामले में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत की जा रही है। यह मामला महंगे लक्जरी वाहनों की कथित तस्करी और अनधिकृत विदेशी मुद्रा लेनदेन से संबंधित है। सूत्रों ने बताया कि ईडी आरोपों की जांच के लिए जल्द ही धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज करेगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- **SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।